वर्ष :: 33 अंक : 39
पृष्ठ : 08 :: मूल्य 2 रुपए मात्र

प्रकाशन का 33 वां वर्ष

/mithilavarnan

मिथिला वर्णन

स्वच्छ पत्रकारिता, स्वस्थ पत्रकारिता

झारखंड-बिहार का लोकप्रिय हिन्दी साप्ताहिक

बोकारो :: रविवार, 25 जून, 2023 News & E-paper : www.varnanlive.com E-mail : mithilavarnan@gmail.com

पूरे परिवार के लिये आध्यात्मिक पत्रिका

अवश्य पढ़ें- निखिल-मंत्र-विज्ञान
14ए, मेनरोड, हाईकोर्ट कॉलोनी, जोधपुर (राज.)
फोन : (0291) 2624081, 263809

काले हीरे का काला कारोबार... माफियाओं ने बनाया कोल कंपनियों का समानांतर व्यवसाय

देवेंद्र शर्मा

रांची/धनबाद : झारखंड के कोयला भंडार वाले जिले से प्रति दिन देश के कोने में कोयला तस्कर बेरोकटोक हजारो ट्रक कोयला पहुंचाने का काम कर रहे हैं। ढ़ाई माह पूर्व झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और प्रदेश के डीजीपी अजय कुमार सिंह ने उच्च न्यायालय के नोटिस पर एक फरमान जारी किया था कि जिन जिलों में अवैध माइनिंग का कारोबार होगा, वहां के पुलिस कप्तान को दोषी करार दिया जायेगा और दंडित किया जाएगा। इस फरमान के जारी होने के साथ

हजारीबाग और बरही क्षेत्र में दर्जन भर ट्रक को पुलिस ने जब्त किया और सम्बन्धित थाने कार्रवाई शुरू कर दी थी, परन्तु यह अभियान 24 घंटे के अन्दर ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। धनबाद, हजारीबाग, रामगढ़, गिरिडीह, रांची और पलामू में अवैध उत्खनन का काम माफिया इन दिनों युद्ध स्तर पर चला रहे हैं। धनबाद और रामगढ़ मे आलम यह है कि कोयला तस्कर विभिन्न कोयला ककंपनियों के समानांतर व्यवसाय के रूप में काले हीरे के अवैध कारोबार को गति दे रहे हैं।

पलामू के सिकनी और बालूमाथ क्षेत्र में आलम यह है कि अवैध कारोबार करने वाले दिन के उजाले में यह धंधा चला रहे हैं। धनबाद में तो कोयला तस्करों ने सिंडिकेट स्थापित कर लिया है। सिंडिकेट में समाज के विभिन्न तबके के लोग शामिल हैं। धनबाद में अवैध कोयला कारोबार ने उद्योग का रूप ले लिया है, जहां से हर दिन लाखों टन कोयले की हेराफेरी होती है, जिसे रोकने के लिए लगातार अभियान भी चलाया जाता रहा है, छापेमारी भी की जा रही है। फिर भी इनकी बातों को ताक पर रखकर कई थाना क्षेत्रों में चोरों से सांठगांठ कर इस अवैध कारोबार को जोर-शोर से चलाया जा रहा है। वाहन पासिंग के नाम पर हेराफेरी की जाती है। ऐसे में प्रतिदिन कोयले की राजधानी कहे जाने वाले धनबाद से सरकार को कितनी राजस्व-क्षति हो रही है, इसका सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है। सूत्रों के अनुसार वर्तमान में झरिया व बाघमारा स्थित बीसीसीएल की विभिन्न कोलियरियां अवैध धंधेबाजों के सॉफ्ट टारगेट हैं। एक अनुमान के अनुसार सिर्फ झरिया व बाघमारा कोयलांचल स्थित बीसीसीएल की खदानों से हर दिन औसतन 200 से 250 हाइवा अवैध कोयला निकलता है। इसके अलावा स्कूटर, मोटरसाइकिल, 407, पिकअप से भी चोरी के कोयले की ढुलाई की जाती है।

सूत्र बताते हैं कि सिंडिकेट द्वारा ट्रक के माध्यम से बलियापुर, गोविंदपुर, बरवाअड्डा, बिहार के डेहरी ऑन सोन व दामोदर नदी पार बंगाल में खपाने के (शेष पेज- 7 पर)

Powered By IPEC Eduserv Pvt. Ltd.
IPEM
FORUM for NEET
www.ipecmedical.com
NEET - UG RESULT - 2023
Glimpse of NEET 2023 Result
Score 644 Priyanshu Kumar AIR - 8761
Score 627 Nisha Kumari AIR - 6208*
Score 504 Kashish Kumari AIR - 4285*

हार्दिक बधाई
Let your dreams take flight and turn them into a reality with our new NEET batches
Warrior 650+ Batch for Class 12th Passed (NEET - UG 2024) : 25th June 2023, Friday 9:00 am - 2:100 pm
Admission is Open

12 PASS 650+ Repeater Batch NEET 2024
Detailed Teaching of all 97 chapters by subject experts
Weekly Test & NEET Mock Test to improve speed and accuracy
1 Year Classroom Programe
Batches Starting from : 25th JUNE,23

Capstone Batch for Class 11th (NEET - UG 2025) : 25th June 2023, Sunday

11 Studying Capstone Two Year Batch for NEET 2025
Detailed Teaching of all 97 chapters by subject experts
Weekly Test & NEET Mock Test to improve speed and accuracy
2 Year Classroom Programe
Batches Starting from : 25th JUNE,23

06542-232381, 9263636343
Add. - A-17, 3rd Floor, City Centre Sec- 4 Above Saree Sangam, Bokaro Steel City, ipecmedical.com
IPEC Eduserv Pvt. Ltd.

– संपादकीय –

बंगाल में चुनावी हिंसा

आज देश में लोकतंत्र बचाने की दुहाई देकर भाजपा विरोधी सारे राजनीतिक दल एक मंच पर आ रहे हैं। बिहार की राजधानी पटना में विपक्षी एकता को लेकर हुई बैठक में इन राजनीतिक दलों ने 2024 के लोकसभा चुनाव में मोदी सरकार को दिल्ली की गद्दी से उखाड़ फेंकने के लिए एकसाथ मिलकर चुनाव लड़ने का संकल्प लिया। इसके क्या नतीजे सामने आएंगे, यह तो भविष्य के गर्भ में है। लेकिन, पश्चिम बंगाल में पंचायत चुनाव के दौरान हिंसा की जो खबरें सामने आ रही हैं, उसने साफ संकेत दिया है कि वहां लोकतंत्र खतरे में है। बम-बारूद और हिंसा का जो दौर बंगाल में कभी वामपंथी सरकार के कार्यकाल में चल रहा था, आज ममता बनर्जी भी उसी राह पर चल रही हैं। हालांकि, कांग्रेस ने विपक्षी एकता के लिए आहूत बैठक में इस मुद्दे पर सवाल जरूर खड़े किये, लेकिन बाकी अन्य किसी भी राजनीतिक दल ने इस मामले में संज्ञान नहीं लिया। दरअसल, पश्चिम बंगाल में पंचायत चुनाव होने में अब दो हफ्ते से भी कम समय बचे हैं। 8 जुलाई से वहां त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव है। चुनाव के दिन की घोषणा के बाद नामांकन का दौर शुरू होते ही राज्य के विभिन्न हिस्सों में हिंसा की खबरें आने लगीं। ज्यादातर मामलों में विपक्ष की शिकायत है कि सत्ता पक्ष ने उन्हें अपने सदस्यों को नामांकित करने से रोक दिया। लड़ाई-झगड़े हुए, गोलियां की बौछार और बम विस्फोट होते रहे। दक्षिण 24 परगना में तबाही की तस्वीर काफी भयावह थी। कैनिंग, बर्दवान, मुर्शिदाबाद में भी हिंसा की खबरें आईं। नामांकन दाखिल करने का दिन खत्म होने के बाद सत्ता पक्ष पर नामांकन वापसी के दौरान हिंसा, धमकी और मारपीट के आरोप लगे हैं। कहीं-कहीं तो नामांकन वापसी को लेकर दबाव बनाने के लिए विपक्षी उम्मीदवारों के अपहरण के आरोप लगे तो कहीं विपक्षी उम्मीदवार के घर सफेद साड़ी और फूल मालाएं भेजने की भी खबरें आईं। राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने नामांकन के दौरान हुई हिंसा के लिए राज्य चुनाव आयोग को जिम्मेवार ठहराया है। राज्यपाल ने राज्य चुनाव आयुक्त राजीव सिन्हा की नियुक्ति संबंधी रिपोर्ट वापस भेजने के बाद सख्त टिप्पणी की। बुधवार को राज्यपाल ने राज्य चुनाव आयुक्त राजीव सिन्हा की ज्वाइनिंग रिपोर्ट राजभवन से बिना हस्ताक्षर किए लौटा दी। गुरुवार को पत्रकारों को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि मैंने राज्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति की। मुझे विश्वास था कि वह स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव कराएंगे, लेकिन मैंने देखा कि लोग निराश थे। राज्य के संवैधानिक प्रमुख की टिप्पणियों से यह स्पष्ट है कि कम से कम राज्य चुनाव आयोग की भूमिका उनकी नजरों में बहुत ही नकारात्मक है। उन्होंने कहा कि खून-खराबा हो रहा है और खून की हर बूंद के लिए राज्य चुनाव आयोग जिम्मेदार है। राज्यपाल बोस ने बिना नाम लिए राज्य चुनाव आयुक्त राजीव सिन्हा की कार्यशैली पर अंगुली उठाई। इधर, कलकत्ता हाईकोर्ट ने भी इस तरह की घटनाओं पर आश्चर्य प्रकट किया है। पश्चिम बंगाल के पंचायत चुनाव में कुल 274 सीटों पर चुनाव होने हैं। इसके लिए नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख 15 जून थी। लेकिन, कलकत्ता हाईकोर्ट में एक याचिका दायर हुई, जिसे देखने के बाद खुद मुख्य न्यायाधीश भी हैरत में रह गए। उन्होंने राज्य चुनाव आयोग से जवाब मांगा है। दरअसल, एक याचिका में कहा गया है कि 10 ग्राम पंचायतों 30 पंचायत समितियों और 3 जिला परिषद के लिए सरकार चुनाव करा रही है। नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख एक हफ्ता पहले ही निकल चुकी है, लेकिन जो दृश्य सामने हैं, उसमें सभी सीटों पर तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार निर्विरोध जीतने वाले हैं। किसी भी दूसरे दल के उम्मीदवारों ने पर्चा दाखिल नहीं किया। यहां तक कि कोई निर्दलीय भी पर्चा भरने नहीं आया। मुख्य न्यायाधीश टीएस शिवगनानम और न्यायमूर्ति अजय कुमार गुप्ता की बेंच के सामने यह याचिका आई तो वे भी हैरत में रह गए। उनका सवाल था कि ऐसा कैसे हो सकता है कि 274 सीटों के लिए होने वाले चुनाव में तृणमूल कांग्रेस के अलावा किसी ने नामांकन दाखिल ही नहीं किया? कुल मिलाकर पश्चिम बंगाल के पंचायत चुनाव में जो दृश्य सामने आ रहे हैं, उनसे साफ है कि ममता सरकार का लोकतांत्रिक मूल्यों से कोई सरोकार नहीं रह गया है। यह निश्चय ही चिन्ता का विषय है।

आप अपने विचार अथवा अपनी रचनाएं हमें निम्नलिखित ई–मेल पर भेज सकते हैं–
mithilavarnan@gmail.com, Contact : 9431379234
Join us on /mithilavarnan
Visit us on : www.varnanlive.com
(किसी भी कानूनी विवाद का निबटारा केवल बोकारो कोर्ट में ही होगा।)

मणिपुर हिंसा और सियासत

मणिपुर जल रहा है। वहां जातीय और मजहबी तनाव चरम पर है। तनाव की इस आग में राजनीति का घी और भड़काने वाला साबित हो रहा है। राजनीतिक दल हिंसा को शांत करने से अधिक उसे भड़काने में रुचि ले रहे हैं। केंद्र और राज्य सरकार के तमाम प्रयासों के बाद भी मणिपुर में संघर्ष थमने का नाम नहीं ले रहा है तो इसके लिए कुछ राजनीतिक दलों का हिंसा में रस आनंद भी बहुत हद तक जिम्मेदार है। मणिपुर में हालात इतने खराब हो गए हैं कि कुकी और नगा समुदाय के लोग ड्रोन कैमरे से ढूंढ़कर मैतेई समुदाय के लोगों पर हमले कर रहे हैं, उनकी हत्या कर रहे हैं। यह स्थिति बेहद चिंताजनक है। जिस मैतेई समुदाय पर सशस्त्र हमले हो रहे हैं, उसमें सर्वाधिक हिन्दू हैं और कुछ मुस्लिम हैं, जबकि हमलावर समुदाय नगा और कुकी ईसाई धर्म में आस्था रखते हैं। मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने के सरकार के प्रस्ताव के चलते इस संघर्ष ने तूल पकड़ा है। नगा और कुकी समुदाय के लोगों को लगता है कि अगर मैतेई को भी अनुसूचित जनजाति में शामिल कर लिया गया तो आरक्षण के तहत मिलने वाले उनके अपने लाभ में विभाजन की स्थिति बनेगी, जो उनके समुदाय के लिए मुफीद नहीं है। 30-35 लाख की जनसंख्या वाले मणिपुर में तीन मुख्य समुदाय हैं; मैतेई, नगा और कुकी। जनसंख्या में भी मैतई ज्यादा हैं और राज्य में उनका राजनीतिक वर्चस्व भी अधिक है। मणिपुर विधानसभा की कुल 60 सीटों में से 40 विधायक मैतई समुदाय से हैं। शेष 20 नगा और कुकी जनजाति से आते हैं। राज्य के 12 मुख्यमंत्रियों में से दो मैतेई समुदाय के थे। इसके बाद भी मैतेई समुदाय पर हमले समझ से परे हैं। इस पर अविलंब विचार किए जाने और कुछ बेहद ठोस और कारगर कदम उठाए जाने की जरूरत है। मणिपुर के मैतेई बहुल कांगपोकी जिले खामेलोक गांव और इंफाल पूर्वी जिले में हथियारबंद लोगों के हालिया हमले में 12 लोगों का काल कवलित होना और 30 लोगों का घायल होना इस बात का संकेत है कि अधिकारों की जंग में अपना आपा खो चुके कुकी और नगा समुदाय के लोगों के लिए सरकार के निर्देश और कायदे कानून मायने नहीं रखते। अपनी सुविधा के संतुलन के लिए वे किसी भी हद तक जा सकते हैं। 3 मई के बाद से जारी हिंसा ने मणिपुर में 100 से ज्यादा लोगों की जानें ले ली है। 320 घायल हुए हैं और 47 हजार से ज्यादा लोगों को 272 राहत शिविरों में रहने को विवश होना पड़ रहा है। वहीं, अपनी सांस्कृतिक पहचान के लिए आरक्षण मांग रहे मैतेई समुदाय के लोगों का तर्क है कि 1949 में भारतीय संघ में विलय से पूर्व उन्हें रियासत काल में जनजाति का दर्जा प्राप्त था। पिछले 70 साल में मैतेई आबादी 62 फीसदी से घटकर लगभग 50 फीसदी के आसपास रह गई है। जबकि मणिपुर की नगा और कुकी जनजाति मैतेई समुदाय को आरक्षण देने की मुखालफत कर रही है। राज्य के 90 प्रतिशत क्षेत्र में रहने वाला नगा और कुकी राज्य की आबादी का 34 प्रतिशत हैं। उनका कहना है कि राज्य की 60 में से 40 विधानसभा सीट पहले से मैतेई बहुल इंफाल घाटी में है। वर्तमान कानून के तहत अनुसार मैतेई समुदाय को राज्य के पहाड़ी इलाकों में बसने की इजाजत नहीं है। आशा है कि इस हिंसा में अपने लिए राजनीतिक लाभ की गुंजाइश तलाशने वाले नेता, वे चाहे किसी भी दल के हों, एक बार विचार जरूर करेंगे कि आरक्षण का यह खेल और कितनी जान लेगा? अपने निहित स्वार्थ के लिए देश के हितों को दांव पर लगाना कितना उचित है? जब कुकी और नगा इंफाल घाटी में जमीन खरीद सकते हैं तो मैतेई राज्य के अन्य क्षेत्रों में ऐसा क्यों नहीं कर सकते? किसी समुदाय विशेष को एक क्षेत्र में सीमित कर देना और रात के अंधेरे में उन पर गोलीबारी करना कितना उचित है, विचार तो इस पर भी किया जाना चाहिए।

– प्रस्तुति : विकास।

महासमर

मैथिली कविता

– शम्भुनाथ –

बहतै रक्तक धार अवनि पर
डगमग अम्बर डोलि उठत।
चक्र सुदर्शन कर त्रिशूल धए
संहारक हित काल बढ़त।।

भेल विश्व निःशब्द एकटक
देखत महासमर कें आब
शान्त सिंह कें देल निमंत्रण
नहि बूझल अछि कतय पड़ाव।।

पंचशील संकल्प हमर छल
विश्व शान्ति केर छल संदेश।
पामर चीन ने बूझि सकल ई
बदलि देलक पूरा परिवेश।।

सतत मित्रता हाथ बढ़ा कें
पीठक पाछू कएलक वार।
दहकि रहल अछि सैन्यक छाती
देखि नीचता केर व्यवहार।।

एक-एक शीशक बदला मे
दस-दस माथक अछि संकल्प।
साक्षी रहतै तुंग हिमालय
बचल ने सम्मुख कोनो विकल्प।।

शठ बूझय शठते केर भाषा
कुकुरक नांगरि रहय ने सोझ।
बहुतो देखल गीदर भभकी
आर पार कए हटबी बोझ।।

सेहत का उत्सव... योगमय इस्पातनगरी

बीएसएल सहित विभिन्न संगठनों में रही अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की धूम

कार्यालय संवाददाता

बोकारो : अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर बोकारो, चास सहित आसपास का पूरा इलाका योगमय बना रहा। घरों से लेकर गली-मुहल्लों, स्कूलों और विभिन्न संगठनों तक योग दिवस का आयोजन किया गया। सामाजिक, राजनीतिक, शैक्षणिक और औद्योगिक संस्थानों के साथ-साथ कई गैरसरकारी संस्थाओं ने उत्सव के रूप में योग दिवस मनाया। हर खासो-आम ने फिटनेस के लिए जमकर पसीने बहाए। इस अवसर पर बोकारो क्लब परिसर में बोकारो स्टील प्लांट द्वारा एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें बीएसएल के कार्यकारी निदेशक प्रभारी बीरेंद्र कुमार तिवारी, अधिशासी निदेशक चित्तरंजन मोहापात्रा, सुरेश रंगानी, अमिताभ श्रीवास्तव राजन प्रसाद व जॉयदीप दासगुप्ता तथा बोकारो इस्पात संयंत्र के वरीय अधिशासी, कर्मचारी गण सहित उनके परिवार जनों के साथ बीएसएल स्कूल के छात्र एवं छात्राएं उपस्थित थे। कार्यक्रम में योग केन्द्र, सेक्टर-4 बोकारो के योग गुरू कृष्ण बंधु मिश्रा उपस्थित थे। अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम में योग गुरू श्री मिश्रा ने प्रतिभागियों को योग के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी और विभिन्न प्रकार के प्रयोगात्मक आसन तथा प्राणायाम का प्रदर्शन किया। उपस्थित समूह ने योग गुरू के मार्गदर्शन में विभिन्न आसनों का अभ्यास किया और इस आयोजन में उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के अंत में बीएसएल के कार्यकारी निदेशक प्रभारी बीरेंद्र कुमार तिवारी के द्वारा योग गुरू श्री

मिश्रा को शाल से अलंकृत किया गया। मुख्य कार्यक्रम के अलावा बीएसएल द्वारा संचालित विभिन्न स्कूलों में भी अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन हुआ।

योग काफी अहम, बनाएं जीवन-प्रणाली : डीसी

सेक्टर 12 स्थित पुलिस लाइन मैदान में नमामि गंगे द्वारा अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर जिला स्तरीय योगाभ्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें उपायुक्त कुलदीप चौधरी, पुलिस अधीक्षक चंदन झा, जिला वन प्रमंडल पदाधिकारी रजनीश कुमार, उप विकास आयुक्त कीर्तीश्री जी. समेत जिला स्तरीय पदाधिकारी, नेहरू युवा केंद्र के सदस्य, नमामि गंगे अंतर्गत जिला गंगा समिति के सदस्य, सिविल डिफेंस के सदस्य, काफी संख्या में आमजनों ने योगाभ्यास किया। मौके पर उपायुक्त कुलदीप चौधरी ने कहा कि वर्तमान समय में जीवन में योग का महत्व और बढ़ जाता है। बेहतर स्वास्थ्य के लिए नियमित योग जरूरी है। उपायुक्त ने जिलावासियों से योग को अपने जीवन प्रणाली (लाइफ सिस्टम) में अपनाने की बात कहीं। जिला स्तरीय इस योगाभ्यास कार्यक्रम में प्रशिक्षक राम प्रवेश ने योगाभ्यास करया। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के प्रशासनिक अधिकारी व कर्मी मौजूद थे। इसके अलावा जिले के सभी प्रखंडों, पंचायतों, स्वास्थ्य केंद्रों में भी योगाभ्यास किए गए।

भाजपाइयों ने किया योगाभ्यास

भाजपा कार्यकर्ताओं ने सेक्टर-3 स्थित ट्रेनीज हॉस्टल के मैदान में योगाभ्यास किए। अनिल सिंह के नेतृत्व में मुकुल ओझा, अरविंद सिंह, सतीश सिंह, जी एस दुबे, अखिलेश कुमार, अरुण कुमार, राजकुमार आदि ने साथ योग-प्राणायाम किए।

डीपीएस चास में विश्व योग दिवस का आयोजन

दिल्ली पब्लिक स्कूल चास के प्रांगण में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों को योग से होने वाले शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक विकास के बारे में बताया गया। शिक्षकों ने बच्चों को पद्मासन, वज्रासन, ताड़ासन, सुखासन, भ्रांमरी आसन, प्राणायाम, अनुलोम-विलोम सहित कई आसन तथा योग कराए और इसके माध्यम से सेहतमंद रहने के फायदे भी बताए। इस अवसर पर विद्यार्थियों के साथ-साथ कार्यवाहक प्राचार्या दीपाली भुस्कुटे, खेल शिक्षक निखिल दत्ता सहित अन्य शिक्षकों ने भी योग कार्यक्रम में भाग लिया। डीपीएस चास की चीफ मेंटर डॉ. हेमलता एस. मोहन ने कहा कि योग को हमारी सेहत के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है। यही वजह है कि लोग इसे लगातार अपनी दिनचर्या का हिस्सा बना रहे हैं।

बौद्धिक विकास व आंतरिक शांति के लिए योग जरूरी : डॉ. गंगवार

बोकारो डिस्ट्रिक्ट योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन के सहयोग से दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) बोकारो में नौवें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन उत्साहपूर्ण वातावरण में किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. एएस गंगवार के नेतृत्व में विद्यार्थियों सहित सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं ने पूरे मनोयोग से योगाभ्यास किया। इस क्रम में छात्र-छात्राओं ने सूर्य नमस्कार की विभिन्न मुद्राओं के अलावा चक्रासन, धनुरासन सहित कई योगासनों की सुंदर सामूहिक प्रस्तुति से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। बच्चों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए विद्यालय के प्राचार्य एवं बोकारो डिस्ट्रिक्ट योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. गंगवार ने योग की महत्ता पर प्रकाश डाला। विद्यार्थियों के बौद्धिक विकास, तनाव-मुक्ति एवं पढ़ाई में एकाग्रता के लिए उन्होंने योग को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि योग न केवल आत्मिक, आध्यात्मिक व मानसिक शांति प्रदान करता है, बल्कि तनाव एवं अवसाद सहित कई तरह की बीमारियों से मुक्ति भी दिलाता है। उन्होंने विद्यार्थियों को नियमित कम से कम आधा घंटा योगाभ्यास जरूर करने का संदेश दिया। विद्यालय की प्राइमरी इकाई में भी छोटे-छोटे बच्चों ने अपने शिक्षकों के साथ योगाभ्यास किया।

हर दिन करें योग, रहें निरोग : सुनील पांडेय

चंद्रपुरा : दामोदर घाटी निगम, चंद्रपुरा ताप विद्युत केंद्र प्रबंधन व निगमित सामाजिक दायित्व विभाग द्वारा यहां के फुटबॉल मैदान में विश्व योग दिवस का आयोजन हुआ। मौके पर वरीय महाप्रबंधक और परियोजना प्रधान सुनील कुमार पांडेय ने कहा कि योग मानव जीवन की एक अभिन्न क्रिया है, इसे अवश्य करना चाहिए। स्वस्थ जीवन जीने के लिए योग बहुत जरूरी है। प्रत्येक दिन योग करें और निरोग रहें। उन्होंने कहा कि विश्व के अधिकांश देशों ने यह माना है कि स्वस्थ रहने के लिए योग करना अति आवश्यक है। उन्होंने भारत सरकार की इस पहल की सराहना की और कहा कि भारत सरकार की पहल से ही विश्व ने भी योग करने पर अपनी सहमति दी है। समारोह का संचालन करते हुए निगमित सामाजिक दायित्व के प्रबंधक प्रमोद कुमार झा ने कहा कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर संयुक्त राष्ट्र संघ और विश्व के 177 देशों के समर्थन से योग को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता मिली है। इस अवसर पर उप महाप्रबंधक के के सिंह, मानवेंद्र प्रियदर्शी, वरीय प्रबंधक दिलीप कुमार, दीपक कुमार, अक्षय कुमार, प्रफुल्लो भंडारी सहित अन्य लोग उपस्थित थे। प्रशिक्षकों और अतिथियों को उपहार व मोमेंटो भेंट कर सम्मानित किया गया।

चिन्मय विद्यालय में योग दिवस धूमधाम से मनाया

चिन्मय विद्यालय बोकारो में 9वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस विद्यालय के तेजोमयानन्द सभागार में धूमधाम से मनाया गया। विद्यालय के प्राचार्य सूरज शर्मा एवं शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। 500 विद्यार्थियों एवं 75 से अधिक शिक्षक शिक्षिकाओ ने योग उत्सव में भाग में लिया। वरीय शारीरिक शिक्षक हरिहर पांडेय ने सूर्य नमस्कार का प्रदर्शन किया एवं सभी को इसके महत्व को समझाया। वही देवदीप चक्रवर्ती ने सिरसासन, त्रिकोणासन, भुजंगासन जैसे कई आसन एवं प्राणायाम का प्रदर्शन किया। प्राचार्य सूरज शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि योग के माध्यम से हम खुद भी शारीरिक और मानसिक रूप से तो स्वस्थ रहेंगे ही साथ ही पूरा समाज स्वस्थ होगा। योग माध्यम से पूरे विश्व को शांति एवं सुखी होने का संदेश देते हैं। इस अवसर पर विद्यालय में चित्रकला प्रतियोगिता एवं क्विज ऑन योग का भी आयोजन किया गया। संजीव सिंह एवं प्रांजल सेकिया ने कार्यक्रम का सफल संचालन किया। इस अवसर पर रण विजय ओझा, ललिता उरांव, नितेश पांडेय, प्रवीण कुमार, पंचानंद शर्मा, अंशु उपाध्याय और अन्य शिक्षकों ने कार्यक्रम को सफल बनाने में बहुमूल्य योगदान दिया।

कोनार परियोजना से सीसीएल करेगा सालाना 5 एमटी उत्पादन

सीएमडी ने लिया माइंस विस्तारीकरण के कार्य का जायजा

संवाददाता

बेरमो : सीसीएल (सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड) के सीएमडी सह- कोल इंडिया के भावी चैयरमैन पीएम प्रसाद ने सीसीएल बीएंडके प्रक्षेत्र के एकेके ओसीपी का दौरा किया। इस क्रम में उन्होंने कोनार परियोजना का अवलोकन कर माइंस विस्तार को लेकर बीएंडके जीएम एमके राव से जानकारी ली। वहीं माइंस विस्तार में कुछ टेक्निकल परेशानी तथा बरवाबेडा एवं दरगाह मोहल्ला को लेकर भी श्रमिक प्रतिनिधि तथा अपने अधिकारियों से भी बातचीत की। वहीं कोनार परियोजना में 200 करोड़ की लागत से बन रहे सीएचपी कार्यस्थल का निरीक्षण किया गया। यहां सीएचपी निर्माण कर रहे हेमटेक कम्पनी के अधिकारियों से भी रू बरू होकर कार्यवधि के बारे में जानकारी प्राप्त की।

इस दौरान श्री प्रसाद ने कोल उत्पादन को लेकर कहा कि एकेकेओसीपी में लगभग 200 करोड़ की लागत से सीएचपी का निर्माण होना है। इसके कार्यस्थल का जायजा उन्होंने लिया है। उक्त सीएचपी कितने दिन में कम्पनी बनाकर सीसीएल को हैंडओवर करेगी, इसे लेकर भी कम्पनी के अधिकारियों से बात की गई। वहीं कोयला उत्पादन को लेकर कहा कि कारो परियोजना कुछ पीछे चल रहा है, क्योंकि वहां विस्थापन संबंधी दिक्कतें आ रही हैं। इसे जल्द ही सुलझा लिया जाएगा। वन विभाग से पार्ट टू का किलिएरेन्स होने में थोड़ा वक्त लगेगा। इसके बाद वहां भी बेहतर उत्पादन होना है। अभी एकेके ओसीपी के अंतर्गत बरवाबेडा तथा दरगाह मोहल्ला को शिफ्ट करना है। इसमें दरगाह मोहल्ला का 137 लोगों में से 10 का मुआवजा के लिए चेक बन चुका है तथा बरवाबेड़ा के लगभग 300 लोगों का कार्य प्रगति पर है। उन्होंने कहा कि सीएचपी बनने से काफी लाभ होगा। चूंकि सीधे रैक में कोयला जाएगा। यहां 5 एमटीपीए उत्पादन होना है। साथ ही ट्रक मोमेंट में भी कमी आएगी।

वहीं, हेमटेक के कम्पनी के अधिकारी शम्भू ने कहा कि 18 महीने में सीएचपी बनाकर हैंडओवर करना है। कुल प्रकल्लित 200 करोड़ का प्रोजेक्ट है। मौके पर बीएंडके जीएम एमके राव, शंभू झा, सतेंद्र सिंह, बीएंडके कार्मिक अधिकारी राजीव कुमार, एकेके ओसीपी मैनेजर सुबेदानंद, ईएंडम के मुख्य अभियंता कुणाल किशोर, गौतम मोहंती सहित कई अधिकारी मौजूद रहे।

कोरोना के बाद ड्रॉपआउट हुए बच्चों को स्कूल से फिर जोड़ें : बीडीओ

गोमिया : गोमिया प्रखण्ड कार्यालय सभागार में झारखण्ड शिक्षा परियोजना अंतर्गत प्रखण्ड संसाधन केंद्र गोमिया की ओर से स्कूल रुआर 2023 (बैक टू स्कूल कैंपेन) के तहत एक महत्वपूर्ण बैठक प्रमुख प्रमिला चौड़े की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में बीडीओ कपिल कुमार, प्रखण्ड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी नंदलाल महतो, सीडीपीओ अलका रानी सहित पंचायतों के मुखिया तथा शिक्षा विभाग के कर्मचारी उपस्थित थे। बैठक में बीडीओ कपिल कुमार ने कहा कि कोरोना के बाद बहुत सारे स्कूली बच्चों ने स्कूल जाना छोड़ दिया है। रूआर 2023 बच्चों तथा उनके माता पिता को प्रेरित कर बच्चों को वापस स्कूल में ले जाना है, बीईईओ नंदलाल महतो ने कहा कि रुआर मिशन को सफल बनाने के लिए जनप्रतिनिधियों, शिक्षा विभाग के कर्मचारियों का सहयोग लिया जाएगा, ताकि बच्चे स्कूल वापस आएं और शिक्षित हों। मौके पर उपप्रमुख अनिल महतो, मुखिया विनोद विश्वकर्मा, अंशु कुमारी, तेजलाल महतो, बलराम रजक, अदित्य महतो, शांति देवी, सावित्री देवी, पूनम देवी, अंचल निरीक्षक लालमोहन दास, सीआरपी मृत्युंजय श्रीवास्तव, अमित आदि रहे।

धांधली ऊपरघाट में गड़बड़ी मामले की पंचायत प्रतिनिधि कर रहे जांच की मांग

टेंडर निकला मार्च में, तालाब का जीर्णोद्धार अब बरसात में, गड़बड़ी को ले जांच की मांग

संजय कुमार मिश्रा

बोकारो थर्मल : सरकारी योजना और धांधली का पुराना नाता रहा है। एक बार फिर ऐसी ही गड़बड़ी सामने आई है बोकारो जिले के नावाडीह प्रखंड अंतर्गत ऊपरघाट से। वहां के कंजकिरो में पिपराबांध नामक तालाब के जीर्णोद्धार का कार्य बरसात में आरंभ किया गया है, इस कार्य की तीन माह पहले मार्च में ही निकाली गई थी। अब बरसात में किस तरह काम होगा और उसकी गुणवत्ता कितने दिन तक के लिए टिकाऊ होगी, इसका सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है। बता दें कि कंजकिरो पंचायत अंतर्गत पिपराबांध की निविदा 30 मार्च को लघु सिंचाई प्रमंडल बोकारो के कार्यालय में हुआ। निविदा की कुल प्राक्कलित राशि 28 लाख 83 हजार 302.63 रुपए थी। कार्य को छह माह में पूरा किया जाना है। उक्त निविदा मेसर्स दीपक कुमार सिंह ने 31.5 फीसदी नीचे कम दर में 19 लाख 75 हजार 62.30 रुपये में लिया। कार्य आवंटन के बाद जून माह में कार्य को आरंभ किया गया है। कंजकिरो पंचायत के पूर्व मुखिया उदय अग्रवाल, पंसस रेवत लाल महतो, शेरे शिव महतो, युवा संगठन के अध्यक्ष हीरालाल, टिंकू महतो आदि ने विलंब से कार्य बरसात में आरंभ करने तथा कार्य में अनियमितता की बात कहते हुए बोकारो डीसी एवं जल संसाधन विभाग से जांच की मांग की है।

उक्त सभी पंचायत प्रतिनिधियों का कहना है कि कार्य के दौरान जो मिट्टी की कटिंग की जा रही है, उसे तालाब के बांध के किनारों एवं बीच में रखा जा रहा है। मिट्टी बारिश के साथ ही तालाब में बहकर चली जाएगी और पूरे तालाब में सिर्फ गाद ही भर जाएगा।

जूनियर इंजीनियर बोले- विभागीय कार्रवाई में बीत गए 2 माह

मामले को लेकर विभागीय कनीय अभियंता माणिक चंद मुर्मू ने पूछे जाने पर कहा कि मार्च में निविदा के बाद विभागीय कार्रवाई को पूरा होने में दो माह का समय व्यतीत हो जाने के कारण ही कार्य आरंभ करने में विलंब हुआ है। कहा कि बांध के किनारे संवेदक द्वारा रखी गई मिट्टी को हटाने का निर्देश संवेदक को दिया गया है। उन्होंने कहा कि तालाब के बीच में जमा कर रखी गई मिट्टी गीली है। उसके थोड़ा भी सूखने पर उसे हटा दिया जाएगा। कहा कि मिट्टी हटाने के लिए संवेदक द्वारा हाइवा का उपयोग करने पर ग्रामीण विरोध करने लगते हैं और वे ट्रैक्टर से मिट्टी उठाने को कहते हैं। जेई ने कहा कि कार्य की क्वालिटी एवं क्वांटिटी में किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा और पूरी पारदर्शिता बरती जाएगी।

हफ्ते की हलचल

धूमधाम से निकली श्रीजगन्नाथ-रथयात्रा

बोकारो : बोकारो इस्पात नगरी में भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा धूमधाम से निकाली गयी और भगवान देवी सुभद्रा व बलभद्र के साथ बड़े ही उल्लासपूर्ण वातावरण में गाजे-बाजे के साथ सेक्टर-1 में श्रीराम मंदिर स्थित अपनी मौसीबाड़ी पहुंच गये। नगर के सेक्टर-4 स्थित श्रीजगन्नाथ मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना के साथ देव प्रतिमाओं को मंदिर प्रांगण से बाहर लाया गया और रथ पर आसीन किया गया। पहांडी की इस पारंपरिक विधि के बाद पुरी में गणपति राजा के तर्ज पर बीएसएल के कार्यकारी निदेशक प्रभारी बीरेंद्र कुमार तिवारी ने झाड़ू लगाकर पवित्र रथ की सफाई की छेरा पहंरा रस्म अदा की। इस अवसर पर अधिशासी निदेशक चित्त रंजन मोहापात्रा, ए. श्रीवास्तव, पीके रथ व राजन प्रसाद, बीपीएससीएल के सीईओ अनिन्दा दास, इस मौके पर रथयात्रा आयोजक उत्कल सेवा समिति के अध्यक्ष डॉ जीएन साहु, उपाध्यक्ष डॉ आरएन प्रधान, सचिव डॉ यू मोहंती, कोषाध्यक्ष पीसी कर, लंबोदर उपाध्याय, हरिहर राउत, पुजारी हिमांशु शेखर दास, सुशांत सत्पथी, मानस आचार्या सहित बोकारो महिला समिति की सदस्या एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति तथा श्रद्धालु उपस्थित थे। इस दौरान आकर्षक झांकी निकाली गई।

शिक्षकों ने सीखे प्रभावशाली अंग्रेजी अध्यापन के गुर

बोकारो : स्थानीय चिन्मय विद्यालय बोकारो में सीबीएसई के तत्वावधान में अंग्रेजी विषय पर शिक्षण पद्धति को और अधिक प्रभावशाली एवं विद्यार्थियों के लिए उपयोगी बनाने के उद्देश्य से दो दिवसीय कार्यशाला शुरू हुई। इसका शुभारंभ चिन्मय विद्यालय के प्राचार्य सूरज शर्मा, रिसोर्स पर्सन लिपिका पात्रा एवं पूजा बनर्जी ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। लिपिका पात्रा एवं पूजा बनर्जी ने अंग्रेजी विषय की महत्ता, अध्यापन के नये नये तरीके, आने वाली कठिनाइयों एवं उसके उचित समाधान पर प्रकाश डाला, साथ ही टीचिंग-लर्निंग प्रोसेस को बेहतर बनाने के कई उपाय बताए। उपस्थित 90 से अधिक शिक्षकों के लिए 12 विभिन्न समूह बनाए गए। पांच विभिन्न सत्रों में कई गतिविधियां करवाई गईं। कक्षा नर्सरी से 12 तक के छात्र-छात्राओं के लिए लेखन की बारीकियां, लेख एवम अन्य सिलेबस की जानकारी दी। कार्यशाला की मुख्य अतिथि स्वामिनी संयुक्तानंदा सरस्वती एवं प्राचार्य सूरज शर्मा ने सभी शिक्षकों का स्वागत करते हुए कहा कि हम सभी एक परिवार की तरह है। हमें अपनी आने वाली पीढी के लिए नई शिक्षा नीति के तहत अपनी शिक्षण पद्धति को अपग्रेड करते हुये बेहतर प्रदर्शन करना है, ताकि हमारी आने वाली पीढ़ी जीवन के हर क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन कर सके और हम गोरवान्वित अनुभव कर सके।

जीजीईएसटी के विद्यार्थियों ने किया औद्योगिक भ्रमण

बोकारो : गुरु गोबिंद सिंह एजुकेशनल सोसायटीज टेक्निकल कैंपस, इंजीनियरिंग, मैनेजमेंट, एप्लिकेशन एवं फैशन कॉलेज, बोकारो से हैकाथॉन के लिए चयनित 29 छात्र-छात्राओं ने ईएसएल वेदांता का औद्योगिक भ्रमण किया। वहां उन्होंने प्रॉब्लम सॉल्विंग, पार्टिसिपेटिव लर्निंग, नवाचार विचार आदि के बारे में जानकारी पाई और अभ्यास किए। कॉलेज के निदेशक डा. प्रियदर्शी जरूहार ने बताया कि यह पहल कालेज के इंस्टीट्यूट इन्नोवेशन काउंसिल द्वारा कार्यान्वित हुई, जिसके समन्वयक प्रो. दयाशंकर दिवाकर और सदस्य प्रो. भास्करानंद रहे। प्रो. सुषमा कुमारी ने छात्रों की टीम का नेतृत्व किया। ईएसएल वेदांता के अधिकारी चीफ डिजिटल ऑफिसर नीलिमा शर्मा, चीफ एचआर ऑफिसर खिरोद कुमार बारीक, लीड एल एंड डीएचआर करुणा वार्ष्णेय, आशुतोष सिंह, अनुपम झा, अबीर चौधरी ने विशेष सहयोग दिया। ट्रिपल ई ब्रांच की छात्रा पल्लवी कुमारी ने प्रदूषण संबंधित अच्छे सुझाव दिये, जिन्हें कंपनी के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर ने सराहा तथा विज़िट को-ओर्डिनेटर प्रो. सुषमा कुमारी को स्मृति-चिन्ह प्रदान किया। संस्थान के अध्यक्ष तरसेम सिंह तथा सचिव सुरेंद्र पाल सिंह ने कालेज व छात्रों को बधाई व शुभकामनाएं दीं।

खिलाड़ियों ने सोल्लास अंतरराष्ट्रीय हैंडबॉल दिवस मनाया

बोकारो : बोकारो जिला हैंडबॉल संघ की और से अंतरराष्ट्रीय हैंडबॉल दिवस सेक्टर- 4 हैंडबॉल ग्राउंड में धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर मैत्री मैच खेला गया। बोकारो जिला हैंडबॉल संघ की टीम ने सेक्टर 4 हैंडबाल की टीम को 23 - 21 से हराया। अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी ज्योति कुमार ने दोनों टीमो के खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया। इस अवसर पर संघ के अध्यक्ष राम लखन मिस्त्री, सचिव आई अहमद, संयुक्त सचिव राजेश कुमार सिंह, कोषाध्यक्ष मिथिलेश कुमार सिंह, तुषार चन्द्र घोषल, मुकेश कुमार, संजीव कुमार, मीरा मिश्रा, ज्योति सिंह,आर एस मिश्रा सहित दर्जनों खिलाड़ी एवं खेल प्रेमी उपस्थित थे।

आपसी विरोधाभास में उलझी विपक्षी एकता

सियासत... सभी दलों का अपनी डफली, अपना राग; निशाने पर मोदी, पर खुद में वैचारिक मेल नहीं

- विजय कुमार झा

बिहार की राजधानी पटना में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बुलावे पर शुक्रवार को 15 विपक्षी दलों के 30 नेता शामिल हुए। सभी का सिर्फ एक ही नारा था कि किसी भी तरह से 2024 के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को सत्ता से बेदखल किया जाय। एक-दूसरे के दुश्मन रहे नेता आपस में गले मिलते नजर आये। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पटना पहुंचते ही सबसे पहले राजद सुप्रीमो लालू लादव से मुलाकात की और उनके पैर छूकर उनसे आशीर्वाद लिया।

कभी भाजपा की कृपा से जम्मू-कश्मीर की मुख्यमंत्री रहीं महबूबा मुफ्ती भी बैठक से एक दिन पहले ही पटना पहुंचीं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुल खडगे समेत लगभग सभी विपक्षी दलों के नेताओं ने बैठक की और मोदी और भाजपा को एकसाथ मिलकर सत्ता से बेदखल करने का संकल्प लिया। लेकिन, इस बैठक के बाद सारी सच्चाई सामने आ गई कि आखिर इस विपक्षी एकता के उद्देश्य और मायने क्या हैं? सबसे बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की इस पहल की हवा निकाल दी दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने। उन्होंने कांग्रेस नेताओं के साथ आयोजित संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस का बहिष्कार कर दिया।

उनका कहना था कि कांग्रेस पहले दिल्ली सरकार के अधिकारों को लेकर केन्द्र सरकार द्वारा लाये गए अध्यादेश के खिलाफ अपना रुख स्पष्ट करे। उधर, पश्चिम बंगाल पंचायत चुनाव में जारी हिंसा के खिलाफ धरना पर बैठे कांग्रेस सांसद और पार्टी के वरिष्ठ नेता अधीर रंजन चौधरी ने साफ कर दिया कि बंगाल में कांग्रेस को अपना अस्तित्व बचाना पहले जरूरी है, क्योंकि ममता सरकार ने लोकतंत्र का गला घोंटकर रख दिया है। हालांकि, बैठक में मौजूद सभी नेताओं ने भाजपा और मोदी को सत्ता से बेदखल करने के एकसूत्री फॉर्मूले पर सहमति जताई। लेकिन, सच तो यह है कि विपक्षी एकता का यह प्रयास फिलहाल सार्थक होता नहीं दिखता। क्योंकि, सभी अपने-अपने एजेन्डे को लेकर इस बैठक में शामिल हुए थे।

चोट खाए नेताओं का कुनबा

दरअसल, ये सबके सब चोट खाये नेताओं का कुनबा था, जो खुद को और अपने परिवार को बचाने की कोशिश में लगे हैं। देश जानता है कि नीतीश के बुलावे पर आये इन सभी दलों के नेताओं के खिलाफ घपले-घोटाले के आरोप लगे हैं। इन सभी के खिलाफ सीबीआई और ईडी की कार्रवाई चल रही है। बैठक में भी इन नेताओं ने सीबीआई और ईडी की कार्रवाई पर सवाल खड़े किये। इस प्रकार इस बैठक में इनके इरादे साफ हो गए हैं। अच्छा है, देश में एक मजबूत विपक्ष होना चाहिए। लेकिन, विपक्षी एकता के लिए बुलाई गई इस बैठक के बाद जो तस्वीर सामने आयी, उसने साफ कर दिया कि फिलहाल इसकी कोई खास संभावना नजर नहीं आ रही है। क्योंकि, बैठक में शामिल होने वाले सभी दलों के नेताओं के नजरिये ने यह स्पष्ट संकेत दे दिया है कि निजी स्वार्थ सिद्धि का रास्ता खोजना ही उनका एकसूत्री मकसद था। वैसे, राजनीति में कुछ कहा नहीं जा सकता। देखना यह है कि आने वाले दिनों में विपक्षी एकता का यह प्रयास कितना रंग लाता है?

नीतीश के चेहरे पर जीत असंभव : प्रशांत किशोर

पटना : चुनावी रणनीतिकार और बिहार में जन सुराज अभियान की ओर से बिहार में अपनी अलग अलख जगा रहे प्रशांत किशोर ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और जनता दल यू जेडीयू पर निशाना साधा है। प्रशांत किशोर ने कहा कि नीतीश कुमार के चेहरे और तीर छाप पर अब कोई चुनाव जीतना असंभव है। नीतीश के चेहरे पर एक भी वोट नहीं मिलेगा। यह मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को खुद भी पता चल गया है। नीतीश का चेहरा चलने वाला नहीं है। उन्होंने खुद मान लिया है कि उनके नाम पर और जदयू के चुनाव चिन्ह तीर पर वे नहीं जीत सकते हैं। जदयू के बैनर तले राजनीति करने वाले लोग भी यह समझ रहे हैं कि धीरे-धीरे उनकी नाव डूब रही है। जदयू का कोई भविष्य नहीं है। चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आएगा, इसका बचना मुश्किल दिखता है। नीतीश की हालत आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू जैसी होगी।

कवि सम्मेलन के साथ अंतरराष्ट्रीय मैथिली परिषद का हुआ पुनर्गठन

अशोक दास अध्यक्ष, तो विपिन झा बने महासचिव

संवाददाता

जमशेदपुर : अंतरराष्ट्रीय मैथिली परिषद का 31 वां स्थापना दिवस एग्रिको स्थित सुमन मेमोरियल ट्रस्ट के सभागार में मैथिली साहित्यकार मंच एवं अंतरराष्ट्रीय मैथिली परिषद, जमशेदपुर इकाई के संयुक्त तत्वावधान में समारोह पूर्वक संपन्न हुआ। समारोह में डॉ. रवीन्द्र कुमार चौधरी द्वारा संपादित पुस्तक 'एकसँ एक्कैस' का लोकार्पण किया गया। पुस्तक के समीक्षा वक्तव्य में शिव कुमार झा टिल्लू ने कहा कि मैथिली में 112 पुस्तकों के रचयिता व साहित्य अकादमी सम्मान से सम्मानित जगदीश प्रसाद मंडल की 1000 से अधिक कथाएं प्रकाशित हैं। उनमें से सर्वाधिक चर्चित 21 कथाओं को इस पुस्तक में संग्रहित किया गया है। ग्रामीण, खेतिहर वर्ग के लेखक के इन कथाओं को संग्रहित कर मैथिली पाठकों के बीच लाकर डॉ चौधरी ने सराहनीय कार्य किया है।

पुस्तक लोकार्पण के बाद अंतरराष्ट्रीय मैथिली परिषद, जमशेदपुर की नई कमेटी की औपचारिक घोषणा डा. अशोक अविचल ने की। इसमें अंतर्राष्ट्रीय मैथिली परिषद के संस्थापक राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉक्टर धनाकर ठाकुर द्वारा घोषित सूची को पढ़ प्रस्तुत किया गया। इसमें अशोक कुमार दास को अध्यक्ष, कमल कांत झा एवं अगम कुमार झा को उपाध्यक्ष, विपिन झा को महासचिव तथा कृष्णा कामत को सचिव बनाया गया। पुनर्गठित कमेटी के सभी नव चयनित अधिकारियों को माला पहनाकर उनका अभिनंदन किया गया। इसके बाद कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया।

नहीं रही विदुषी प्राध्यापिका और कवयित्री डा. आरती राजहंस, शोक

पटना : श्री अरविंद महिला महाविद्यालय में गृह-विज्ञान विभाग की अध्यक्ष रहीं विदुषी प्राध्यापिका और कवयित्री डा आरती राजहंस का हनुमान नगर, कंकड़बाग स्थित उनके आवास में निधन हो गया। डॉ. आरती, सुप्रसिद्ध व्यंग्यकार स्मृतिशेष डा. रवीन्द्र राजहंस की पत्नी थीं। गुल्बी घाट पर उनके पार्थिव शरीर की अंत्येष्टि हुई। उनके ज्येष्ठ सुपुत्र और नागालैंड सरकार में मुख्यसचिव ज्योति कलश ने मुखाग्नि दी। उनके शोक-संतप्त कनिष्ठ पुत्र और भारतीय पुलिस सेवा के वरिष्ठ अधिकारी अमृत कलश, उनकी पुत्री रिमझिम वर्षा समेत सभी परिजन पटना पहुंच गए। उनके निधन से परिजनों सहिक साहित्य और प्रबुद्ध-समाज में गहरा शोक व्याप्त है। निधन की सूचना मिलते ही बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष डा अनिल सुलभ, हिन्दी प्रगति समिति बिहार के अध्यक्ष कवि सत्यनारायण, कवि कमला प्रसाद, साहित्य सम्मेलन की उपाध्यक्ष प्रो मधु वर्मा, सुप्रसिद्ध स्त्री-रोग विशेषज्ञ डा किरण शरण, राकेश सिन्हा आदि साहित्यकारों और प्रबुद्धजनों ने उनके आवास पर पहुंचकर शोकाकुल परिजन को सांत्वना दी।मकदमकुआं स्थित साहित्य सम्मेलन में एक शोक-गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता करते हुए डा अनिल सुलभ ने उन्हें एक विनम्र विदुषी, अविस्मरणीया प्राध्यापिका और प्रतिभाशाली कवयित्री बताया।सम्मेलन के उपाध्यक्ष डा. उपेंद्र नाथ पाण्डेय, डा. शंकर प्रसाद, डा. कल्याणी कुसुम सिंह, डा. शिववंश पाण्डेय, कुमार अनुपम, डा. जंगबहादुर पाण्डेय, बांके बिहारी साव, पारिजात सौरभ, ई अशोक कुमार, कृष्ण रंजन सिंह, पुरुषोत्तम प्रसाद, एकलव्य केसरी, संतोष कुमार आदि ने भी डॉ. आरती के निधन पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है।

यूपीएससी में मधुबनी से डॉ. जानवी ने मारी बाजी

मधुबनी : संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) में मधुबनी जिले के हरलाखी प्रखंड के खीरहर गांव निवासी डॉ. जानवी सिंह ने जगह बनाई है। एम्स, दिल्ली में बतौर कार्डियोलॉजिस्ट कार्यरत मधुबनी की बेटी डॉ.. जानवी सिंह ने अपनी जगह इस सर्वप्रतिष्ठित परीक्षा में कामयाबी पाई है। डॉ. जानवी ने अपने पहले प्रयास में ही यह परीक्षा पास कर ली। उन्होंने सेल्फ स्टडी की थी। पीजीआई चंडीगढ़ से एमबीबीएस की पढ़ाई करने के बाद उन्होंने एम्स दिल्ली से एमएस की पढ़ाई जारी की, साथ ही एम्स मे प्रैक्टिस करने के दौरान तैयारी की। एक साल में ही उसने सफलता पा ली। जानवी का कहना है कि एक अधिकारी बनकर वह शिक्षा एवं चिकित्सा के क्षेत्र में बेहतर काम करेंगी। उनके पिता राजीव कुमार श्रीनगर स्थित एनडीए एकेडमी इंडियन आर्मी में मेजर तथा माता अनीमा कश्यप स्टेट बैंक ऑफ इंडिया अहमदाबाद में शाखा प्रबंधक हैं। माता-पिता की एकलौती बेटी की सफलता पर बहुत खुश हैं। 10वीं की पढ़ाई उन्होंने केंद्रीय विद्यालय गन्नीपुर, मुजफ्फरपुर तथा 12वीं केंद्रीय विद्यालय कंकड़बाग पटना से पास की थी। 2015 में नीट में बाजी मारी और पीजीआई चंडीगढ़ से एमबीबीएस की पढ़ाई शुरू कर दी थी। डॉ. जानवी ने बताया कि लड़कियां अब किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं। उनकी सफलता गांव-समाज की बेटियों को प्रेरित करेगी।

मिथिला डायरी

कर्म से भाग्य, भाग्य से सफलता

गुरुदेव श्री नंदकिशोर श्रीमाली

'कर्म' शब्द का प्रयोग बड़ी लापरवाही से किया जाता है। ज्यादातर लोग अपने दुःख, बाधाओं में 'यह मेरा कर्म है' बताते हैं। 'यह मेरा कर्म है' बोलने वाले ज्यादातर पीड़ित होने का आभास देते हैं और स्वयं को कर्म का शिकार बताते हैं। आमतौर पर लोग जीवन में अच्छी घटनाओं के लिए कर्म शब्द का प्रयोग नहीं करते हैं, लेकिन जब बुरी चीजें होती है तो कहते हैं कि यह मेरा कर्म है। कर्म को इतने हल्के में लेना जनमानस की एक बहुत बड़ी भूल ही है। कर्म वास्तव में आपके भाग्योदय का कारक है। कर्म फल आपको स्व-चिन्तन का समय प्रदान करता है।

कर्म भौतिक नहीं है, यह आध्यात्मिक है और एक बार अर्जित होने के बाद हमारे शरीर, विचारों, भावनाओं, रिश्तों, परिस्थितियों और अनुभवों के माध्यम से हमारे दैनिक जीवन के मंच पर कर्म की संतुलनकारी क्रिया सामने आती है। जीवन के खेल का नाम हमारे कर्म ऋणों को चुकाना है, न कि नए अर्जित करना, ताकि हम स्वयं को और दूसरों को दिव्य प्राणियों के रूप में जान सकें और ईश्वर की चेतना में प्रवेश कर सकें।

जैसे गुरुत्वाकर्षण भौतिक संसार का नियम है, वैसे ही कर्म आध्यात्मिक संसार का नियम है। हमें अपने कार्यों क और अधिक सटीक रूप से, जिम्मेदारी से संपन्न करना है।

सुशीलो मातृपुण्येन, पितृ पुण्येन चातुर।
सौदार्यं वंशपुण्येन, आत्मपुण्येन भाग्यवान।।

मनुष्य अपनी माता के पुण्य प्रताप से सुशील होता है, पिता के पुण्य से चतुर होता है, वंश के पुण्य से उदार होता है और अपने स्वयं के पुण्य से भाग्यवान बनता है।

कर्म के दो रूप हैं- शुभ और अशुभ। दोनों का फल अवश्य मिलता है। शुभ कर्म का फल शुभ और अशुभ कर्म का फल दुःख के रूप में सामने आता है। यदि किसी कर्म का फल इस जन्म में नहीं मिल पाता तो वही कर्म आगे के जन्म में हमारा भाग्य बनता है। अर्थात भाग्य भी हमारा ही बचा हुआ कर्मफल है। कर्म के अनुसार भाग्य भी अच्छा बुरा होता है।

देवी भागवत में आया है-

'अवश्यमेव भोक्तव्यं कृतं कर्म शुभाशुभम'

युधिष्ठिर ने महाभारत युद्ध में आधा झूठ बोला था। भगवान श्रीकृष्ण ने स्वयं उन्हें ऐसा करने के लिए बोला, फिर भी भगवान उन्हें पाप से बचा नहीं सके। उन्हें थोड़े समय के लिए नरक देखना पड़ा।

कर्मों के प्रभाव को समझने के लिए आपको एक उदाहरण समझना होगा। कोई व्यक्ति एक ही समय में केला, आम और अखरोट के पेड़ लगाता है। केले का फल वह 1 वर्ष के अंदर खा लेता है, 5-6 वर्षों में वह आम का फल भी खा लेता है, किन्तु अखरोट 40 वर्षों के बाद ही फलता है। यदि फल लगाने वाला व्यक्ति 50 वर्ष का हो तो यह आवश्यक नहीं कि वह अपने लगाए हुए अखरोट के फल को भी खा पाए।

मतलब यह है कि फल तो लगाया, लेकिन फल खाने के पहले संसार से चला गया। कर्म तो किया, किन्तु उसे उसका फल उस जीवन में प्राप्त नहीं हुआ। वही कर्म संचित कर्म कहलाता है। समयानुसार हमारे संचित कर्म से परमात्मा कुछ कर्म का फल हमें भोगने के लिए देते हैं, जिस पर हमारा वश नहीं होता है। इसे ही प्रारब्ध, भाग्य, किस्मत का लिखा आदि नामों से जाना जाता है।

लोगों के जीवन में जब दुःख आता है तो लोग कहते हैं कि परमात्मा ने हमारे भाग्य में दुःख ही दुःख लिख दिये हैं, लेकिन विवेक विलोचन से अवलोकन करने पर स्पष्ट हो जाता है कि परमात्मा किसी को सुख या दुःख नहीं देते हैं, परमात्मा तो केवल साक्षी भाव से हमें देखते रहते हैं। हमारे ही बचे हुए कर्मों का फल हमें प्रारब्ध या भाग्य के रूप में प्राप्त होते हैं।

यह तो स्पष्ट है कि कर्म करने के पश्चात हम उसके परिणाम से बंधे हैं। ऐसी स्थिति में किया क्या जाए? यह प्रश्न हर व्यक्ति के मन में आता है। एक ओर मनुष्य को भाग्य के अधीन बताया गया है, वहीं दूसरी और मनुष्य को कर्म के अधीन बताया गया है।

कर्म बंधनों की समाप्ति और भाग्योदय की प्राप्ति हेतु साधक ईश्वरीय कृपा, देव कृपा और गुरु कृपा को प्राप्त करता है। मनुष्य ही अपने बुद्धि, मन, विचार के द्वारा कर्म और भाग्य का संयोग करा सकता है। जब सद्गुरु की कृपा होती है तो भाग्य द्वार खुल जाता है। उस समय मनुष्य को अपनी कर्म शक्ति पूर्ण रूप से जागृत रखनी चाहिए। कई बार देखने में आया है कि यदि किसी संत, महापुरुष की विशेष कृपा हो जाए तो वह हमारे लिए आने वाले विपरीत अशुभ कर्म फल को सरल और कम कष्ट दायक बना देते हैं। किन्तु याद रखें, कि कर्म फल मिलता अवश्य है, चाहे इस जन्म में, या फिर किसी दूसरे जन्म में। कर्ता को उसे भोगना ही पड़ता है, चाहे सरलता से, चाहे कठोरता से।

शिव संहिता में भाग्योदय प्राप्ति का एक सटीक सूत्र लिखा है, जिसमें बताया गया है कि मंत्र जप, साधना एवं ध्यान द्वारा आज्ञा चक्र को चैतन्यवान कर कर्म दोषों का शमन करते हुए अपने भाग्य का उचित निर्माण कर सकते हैं। अर्थात भाग्योदय कर सकते हैं। आवश्यकता है योग्य, शिव समान सद्गुरु की, जो अपने साधकों को साधनात्मक मार्ग पर प्रशस्त करें और मंत्र जप, क्रिया द्वारा उनके भाग्योदय में आ रही बाधाएं समाप्त कराएं।

यः करोति सदा ध्यानमाज्ञापद्मस्य गोपितम्।
पूर्व जन्म कृतं कर्म विनश्येदविरोधतः।।

जो पुरुष सर्वदा गोपित करके इस आज्ञा-कमल (चक्र) का ध्यान करता है, उसका पूर्व जन्मकृत कर्मफल निर्विघ्न नाश हो जाता है। अतः शास्त्रोक्त विधि अनुसार भाग्योदय साधना एकान्त में सम्पन्न की जानी चाहिए और अधिक से अधिक मंत्र जप अवश्य करना चाहिए।

सामवेद भी भाग्योदय और साधना के संबंध में स्पष्ट विवेचन आया है-

यदि शैलसमं पापं विस्तीर्णं बहुयोजनम्।
भिद्यते ध्यानयोगेन नान्यो भेदः कदाचनः।।

कई योजन तक फैला हुआ पहाड़ समान यदि पाप हो तो वो भी मंत्र जप, ध्यान द्वारा नष्ट हो जाता है। इसके समान भाग्योदय करने वाला कोई नहीं है।

भाग्य है ज्ञान का प्रकाश

भा+ग्य इन दो वर्णों का मेल भाग्य कहलाता है। 'भा' का अर्थ चमकना होता है। स्वयं दखिये, आभा, विभा और प्रभा, इन तीनों शब्दों का अर्थ प्रकाश या चमकना है और इन सबमें 'भा' आता है। प्रतिभा का अर्थ प्रत्येक व्यक्ति का नैसर्गिक प्रकाश है। 'ग्य' का अर्थ ज्ञान है। जिस क्षण ज्ञान का प्रकाश जीवन में उतरता है, उस क्षण को ही भाग्योदय कहते हैं। अमूमन, लोग भाग्य को किस्मत, धन, सफलता से जोड़ देते हैं, पर वास्तव में भाग्य ज्ञान के प्रकाश का ही प्रतिफल है।

इसी बात को श्रीकृष्ण ने गीता में कहा है-

कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन।
मा कर्मफलहेतुर्भूर्ता ते सङ्गोऽस्त्वकर्मणि।।

अर्थात मनुष्य हर कार्य को फल की इच्छा से नहीं करे, वह निष्ठा पूर्वक अपना कर्तव्य करता रहे। कर्म करता रहता है तो उसे फल की प्राप्ति अवश्य होती है, उसका भाग्य अवश्य जागृत होता है। दुर्भाग्य से सौभाग्य तक की यात्रा और कर्म भाग्य के सहयोग की यात्रा है।

तुलसीदास ने **रामचरित मानस** में लिखा है-

सकल पदारथ हैं जग माहीं।
भाग्यहीन नर पावत नाही।।

अर्थात इस भौतिक संसार में भी सभी प्रकार के सुख और आनन्द विद्यमान हैं, परमात्मा ने सृष्टि की रचना इस प्रकार से की है, कि प्रत्येक व्यक्ति जीवन में सब कुछ प्राप्त कर सके और पूर्णता की ओर अग्रसर हो सके। लेकिन, जो भाग्यहीन होते हैं, उन्हें जीवन में कुछ भी उपलब्ध नहीं होता।

इसलिए, कर्म व्यक्ति के जीवन में आवश्यक है, किन्तु जब कर्म के साथ श्रेष्ठ भाग्य का समावेश हो जाता है, तो मार्ग में आने वाली अड़चनें, बाधाएं अपने आप दूर हो जाती हैं। इन सबकी विवेचना में चार मूल कारण हैं, जिनके कारण व्यक्ति के जीवन में भाग्यहीनता आती है- 1. पूर्व जन्मकृत दोष, 2. इस जन्म के कर्म, 3. कुसंगति, 4. व्यक्ति का गुरु और देवता में अश्रद्धा होना। उपर्युक्त परिस्थितियों का विवेचन करने पर इतना तो स्पष्ट हो गया है कि व्यक्ति को कर्मशील अवश्य होना चाहिए, कर्म के बिना भाग्य अपना प्रभाव नहीं डाल सकता। ...लेकिन भाग्य ही नहीं है और जीवन में दुर्भाग्य की स्थिति है तो व्यक्ति का कर्म भी निष्फल हो जाता है।

(साभार : निखिल मंत्र विज्ञान)

सेहत के लिए भी मिठास भरे होते हैं चॉकलेट

चॉकलेट खाना हर किसी को पसंद होता है। आपने चॉकलेट के नुकसानों के बारे में जरूर सुना होगा, लेकिन सेहत के लिए भी यह कई मायनों में मिठास का जरिया है, यह शायद आपको नहीं मालूम होगा। इसमें जिंक आयरन कॉपर फ्लेवनॉल्स फास्फोरस और अन्य पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो कई समस्याओं से बचाते हैं, तो आइए जानते हैं चॉकलेट हमारे लिए कैसे फायदेमंद है-

वजन

अक्सर लोगों का मानना है कि चॉकलेट खाने से वजन बढ़ता है, लेकिन एक्सपर्ट्स के अनुसार, चॉकलेट खाने से वजन कम होने में मदद मिल सकती है। आप वेट लॉस जर्नी में आसानी से चॉकलेट शामिल कर सकते हैं।

मानसिक स्वास्थ्य

एक शोध के मुताबिक कोको पीने या कोको से भरपूर चॉकलेट खाने से दिमाग की सेहत में सुधार होता है। इसमें मौजूद फ्लेवनॉल्स मस्तिष्क के हिस्सों में 2-3 घंटे तक रक्त के प्रवाह को बढ़ाता है। अगर याददाश्त तेज करना चाहते हैं, तो चॉकलेट जरूर खाएं।

कैंसर

चॉकलेट में पेंटामेरिक प्रोसायनिडिन नामक यौगिक पाया जाता है, जो शरीर में कैंसर कोशिकाओं के फैलने की क्षमता को कम करता है। अगर आप रोजाना चॉकलेट खाते हैं, तो यह आपको कैंसर से बचाने में मदद कर सकती है।

तनाव

चॉकलेट मूड को बेहतर बनाने में भी मददगार है। इसे खाने से बॉडी में ऐसा हार्मोन जारी होता है, जिससे तनाव कम हो सकता है। चॉकलेट में मौजूद डोपामाइन स्ट्रेस दूर करने में मदद करता है।

सर्दी-खांसी

चॉकलेट में विटामिन-सी और फैटी एसिड और अन्य तत्व पाए जाते हैं, जो सर्दी-खांसी राहत दिलाने में मददगार है। अगर आप सर्दी-खांसी से परेशान हैं, तो इसे खाने से आपको राहत मिल सकती है। यह गले के दर्द को कम करने में भी सहायक है।

प्रस्तुति : शशि

आदिपुरुष- मर्यादा पुरुषोत्तम की मर्यादाहीन कहानी

मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम पर बनी जिस फिल्म 'आदिपुरुष' का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे थे, वह अब घोर विवादों के घेरे में है। देशभर ही नहीं, नेपाल तक इसके विरोध की आंच पहुंच चुकी है। वजह है इस फिल्म के विवादास्पद संवाद, रामायण के पात्रों की वेशभूषा और गेट-अप। मर्यादा और शालीनता की मिसाल भगवान श्रीराम की मर्यादा ही कहीं-न-कहीं इस फिल्म में मिसिंग है। हालांकि, फिल्म के कुछ विवादास्पद संवादों को बदलने की घोषणा लेखक मनोज मुंतशीर ने की है, लेकिन रामायण जैसी आस्था से जुड़ी चीजों को महज तड़क-भड़क और कमाई के चक्कर में सस्तेपन का मुद्दा बना देना अब भी विरोध का कारण बना हुआ है। हालांकि, समय-काल के हिसाब से साहित्य और फिल्मों में बदलाव स्वाभाविक प्रक्रिया है, परंतु लेखक या फिल्मकार समय की मांग और आमजन की ग्राह्यता के साथ विषय की भी समझ होनी चाहिए। मनोज के मन में संस्कृत में कालिदास रचित 'रामायण' की जनभाषा में रचित 'रामचरितमानस' की तरह लोकप्रिय बनाने के लिए प्रयोग करने की बात आई होगी, पर वह चूक गए और लोगों ने अपने आराध्य मर्यादा पुरुषोत्तम राम की कथा के सस्तेपन को मुद्दा बना दिया। फिल्म में रावण के गेटअप को लेकर भी विवाद है तो सीता की भूमिका पर भी सवाल उठ रहे हैं।

वीएफएक्स से लेकर किरदारों तक को लेकर यह फिल्म विवादों में छाई है। कई लोगों को फिल्म के डायलॉग पसंद नहीं आ रहे हैं तो कुछ लोगों को राम बने प्रभास का लुक पसंद नहीं आ रही है। घनी मूंछे, योद्धाओं जैसे शरीर वाले प्रभास में लोगों को भगवान राम की शालीनता खल रही है। सोशल मीडिया पर लोगों का आक्रोश खुलकर देखा जा रहा है। उनका कहना है कि यह फिल्म मूल रामायण का अपमान है। इसमें धार्मिक कथाओं को अलग तरीके से पेश किया गया है। प्रभास इस फिल्म में राम बने हैं। सीता की भूमिका में कृति सैनन हैं और रावण बने हैं सैफ अली खान। सैफ अपने लुक को लेकर ट्रोल हो रहे हैं। फिल्म का वीएफएक्स दर्शक औसत बता रहे हैं। लोगों का कहना है कि फिल्म बच्चों के लिए बनाई गई है, ग्राफिक्स बेहद कमजोर हैं। लोग इस फिल्म की कॉस्ट्यूम डिजाइन से लेकर संवाद आदायगी तक पर सवाल खड़े कर रहे हैं। कई हिन्दू संगठनों ने इस फिल्म पर बैन लगाने की मांग की है। फिल्म पर बैन लगाने को लेकर दिल्ली हाई कोर्ट में एक अर्जी भी दाखिल की गई है। याचिका में कहा गया है कि सेंसर बोर्ड की ओर से जारी होने वाले सर्टिफिकेट पर रोक लगा दी जाए। 'जानकी भारत की बेटी है।' डायलॉग को लेकर नेपाल में थियेटर संचालकों का खासा विरोध हो रहा है। माना जाता है कि सीता मां का मायका जनकपुर में है, जो नेपाल में है।

आदिपुरुष को अपने संवादों के साथ-साथ महत्वपूर्ण पात्रों के खराब चित्रण के माध्यम से रामायण का मजाक उड़ाने के लिए आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। जबकि निमार्ता लोगों की धार्मिक भावनाओं को आहत करने वाली विशेष पंक्तियों को बदलने के लिए सहमत हुए हैं, दर्शकों को नहीं लगता कि यह उद्देश्य की पूर्ति करेगा। लोगों को सबसे ज्यादा ऐतराज फिल्म में किरदारों के लुक पर है। ज्यादातर लोगों को फिल्म के किरदारों का कास्ट्यूम पंसद नहीं आ रहा है।। कुछ लोगों का कहना है कि राम, न तो राम लग रहे हैं, लक्ष्मण का लुक भी मैच नहीं कर रहा है। हनुमान का लुक रामानंद सागर वाले रामायण से बिलकुल अलग है। लोग, अरुण गोविल के लुक से प्रभास की तुलना कर रहे हैं, जो उनके लुक से बेहद उलट है। यह लोगों को रास नहीं आ रहा है।

बहरहाल, जिस देश में राम, सीता, लक्ष्मण की भूमिका निभाने वाले अभिनेताओं की पूजा की जाती हो, उनकी स्थापित छवि से इतर फिल्मांकन विवाद का कारण स्वाभाविक तौर पर बनेगा। इसमें इस कारण सारा दोष मनोज का भी नहीं निर्देशक का भी है जिसने अस्वीकार्य चरित्र और संवाद बनवाए। सेंसर बोर्ड को चाहिए कि ऐसे फिल्मांकन को लेकर सख्त कदम उठाए और जब दर्शक खुलकर ऐसी फिल्मों का विरोध करते हुए इसे सिरे से नकार देंगे, तो ही शायद आस्था और धार्मिक भावना से फिल्म के नाम पर खिलवाड़ बंद हो सकता है।

– प्रस्तुति : गंगेश

चल जंगल चल

चल जंगल चल, चल जंगल चल
जंगल में गुफा-कहानी
रची है इसमें कथा पुरानी
दीवारों पर चित्र बने हैं
घिसे-मिटे, सर्वत्र घने हैं
कब हैं ये पता नहीं है
कौन रहे होंगे वे रचनाकार... जंगल
चल जंगल चल, चल जंगल चल

चल जंगल चल, चल जंगल चल
रुको, ठहरकर ध्यान से सुनो
पूर्वज के पदचाप हैं, गुनो
इसी गुफा से निकले थे वे
पत्थर के हथियार गहे
जब ये पूर्वज हिंस्र-जन्तु से
बचते, करते थे खुद कठिन शिकार... जंगल
चल जंगल चल, चल जंगल चल

कुमार मनीष अरविन्द

चल जंगल चल, चल जंगल चल
मानव का पहला फल बोना
सीता का, लव-कुश का होना
बाल्मीकि का इधर आश्रम
ऋषि अगस्त्य का उधर रहा क्रम
सब जंगल की स्मृति में है
जोड़ यहीं से सकते हम तार... जंगल
चल जंगल चल, चल जंगल चल

(क्रमशः)

अयोध्या में 'गुरु तत्व श्रीराम' गुरु पूर्णिमा महोत्सव को भव्यतम रूप देने की तैयारी

विशेष प्रतिनिधि

अयोध्या : मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम की पावन पुण्य नगरी अयोध्या के कारसेवकपुरम में आगामी 02-03 जुलाई को अंतर्राष्ट्रीय सिद्धाश्रम परिवार, उत्तर प्रदेश एवं निखिल मंत्र विज्ञान के तत्वावधान में 'गुरु तत्व श्रीराम' गुरु पूर्णिमा महोत्सव का विशाल आयोजन होगा। इस पावन अवसर पर देश-विदेश से पधारे हजारों शिष्यों को परमपूज्य सद्गुरुदेव स्वामी निखिलेश्वरानन्द जी (डॉ. नारायणदत्त श्रीमाली) एवं गुरु माता भगवती जी की दिव्य छत्रछाया में पूज्य गुरुदेव श्री नन्दकिशोर श्रीमाली जी का दो दिवसीय सानिध्य प्राप्त होगा। इस आयोजन को लेकर कारसेवकपुरम में आयोजक मण्डल के सदस्यों की बैठक हुई, जिसमें कार्यक्रम स्थल पर चल रही तैयारी की समीक्षा की गयी और आयोजन को भव्यतम रूप दिये जाने पर विचार-विमर्श किया गया। आयोजक मण्डल के संयोजक फौजदार सिंह ने बताया कि भारतीय आध्यात्मिक परम्परा में श्री गुरु महाराज का स्थान सर्वोपरि है। इसलिए शास्त्रों में भी गुरु पूर्णिमा के दिन की महिमा का बखान मिलता है। इस दिन गुरु-शिष्य के मिलन का एक ऐसा संगम होता है, जहां शिष्य रूपी नदियां गुरु रूपी असीम सागर में समाहित होकर एकाकार हो जाती हैं। दो दिवसीय गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम की जानकारी देते हुए गुरू सेवक सिद्धेश्वर शर्मा ने बताया कि परमपूज्य गुरुदेव 01 जुलाई को ही दोपहर तक अयोध्या आ जायेंगे और शाम को प्रभु श्रीराम एवं हनुमानजी (हनुमानगढ़ी) का दर्शन करेंगे। 02 जुलाई को कार्यक्रम स्थल पर प्रातः 09 बजे से 12 बजे तक पूजन व सभी देवताओं का आह्वान होगा। इसके बाद मध्याह्न 12 बजे से शाम 04 बजे तक श्री गुरुदेव का प्रवचन-आशीर्वचन और शाम को 06 बजे से भव्य शोभा यात्रा नयाघाट से कारसेवकपुरम तक निकलेगी, जिसमें उड़ीसा प्रान्त के 40 स्थानीय कलाकार अपने पारम्परिक वेषभूषा में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करेंगे। शोभा यात्रा के बाद शिष्यों को शक्तिपात दीक्षा व प्रवचन-आशीर्वचन दिया जायेगा। इसी प्रकार 03 जुलाई को भी दिन में 12 बजे तक गणपति व गुरु पूजन और प्रवचन होगा। सायं काल 08 बजे शक्तिपात दीक्षा व प्रवचन-आशीर्वचन के बाद महोत्सव का समापन होगा। आयोजकों ने ऐसे पावन कार्यक्रम में अधिकाधिक लोगों से पधारकर पुण्य का भागी बनने का आग्रह किया है। इस अवसर पर आयोजक मण्डल के संरक्षक शिवदास सिंह, दिवाकर सिंह 'एडवोकेट', राममिलन सिंह, अच्छेलाल, प्रिन्सिपल दिवाकर सिंह, नरेन्द्र राय, सिद्धेश्वर शर्मा सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

पेज- एक का शेष

काले हीरे का काला...

लिए भेजा जाता है। सूत्रों की मानें तो कतरास कोयलांचल के सोनारडीह, तेतुलिया, चैतुडीह, अंगारपथरा, तेतुलमारी, निचितपुर सिजुआ, जोगता, लोयाबाद, बांसजोड़ा, महुदा के भाटडीह, बरोरा की विभिन्न बंद खदानों, परियोजनाओं से कोयला चोरी जारी है। बाघमारा, बरोरा, मधुबन थाना, खरखरी के सोनानगर पट्टी, खरखरी व बाबुडीह स्थित जंगल, फुलारीटांड़ आउटसोर्सिंग पैच, शताब्दी पैच, डेको बंद पैच, केशरगढ़, महुदा के भाटडी में अवैध कोल मुहाने को खोलकर निजी मजदूरों से कोयला निकाल कर बाघमारा के जमुनिया नदी किनारे डिपो, खरखरी जंगल स्थित डिपो में कोयला खपाया जाता था, जबकि बोकारो, धनबाद द्वारा अलग अलग कोयला डिपो का संचालन किया जाता है। झरिया कोयलांचल में बीसीसीएल की विभिन्न कोलियरी में अलग सिंडिकेट सक्रिय हैं। सिंडिकेट द्वारा कोकिंग कोल की खपत जहां स्थानीय हार्डकोक भट्ठों में की जा रही है, वहीं नन कोकिंग कोल के कोयले की बिक्री विभिन्न माध्यमों से बाहर की जा रही है।

पेटरवार के कई इलाकों से भी हो रही तस्करी

पेटरवार थाना क्षेत्र की पिछरी बंद कोयला खदान, अंगवाली बंद खदान सहित बगल स्थित ढोरी खास की पुराने बंद खदान के अतिरिक्त चलकरी उत्तरी पंचायत में मूल खदान से कोयला की अवैध खनन कर बाइक व ट्रैक्टर से बेचे जा रहे हैं। वहीं, जारंगडीह रेलवे साइडिंग से चुराया गया कोयला खेतको होते हुए बालीडीह तथा बंगाल के अवैध कोयला डिपो तक पहुंचाया जा रहा है। अवैध धंधेबाजों ने मूल खदानों को चालू कर तथा पिछरी में नए स्तर से कोयला निकासी कर सैकड़ों बाइक से धड़ल्ले से कोयला बंगाल के डिपो तक पहुंचाना शुरू कर दिया है। ऐसे मे आए दिन चलकरी में अवैध खनन की सुरंगों से बड़ी घटना के बादल मंडरा रहे हैं। यहां कभी भी खतरनाक सुरंग में अप्रिय घटना घट सकती है। कोयला माफिया अपने निजी स्वार्थ में मजदूरों के जिंदगी के साथ खेल रहे हैं। इस क्षेत्र में बड़े-बड़े उद्योग होने के बावजूद रोजगार नहीं मिलने के कारण मजदूर अपनी रोजी रोटी के चलते सुरंग में घुसकर कोयला काटते हैं। इसका फायदा कोयला माफियाओं को होता है। रात के अंधेरे में दर्जनों ट्रैक्टरों से कोयला माफिया बड़ी निडरता के साथ कोयला अवैध डिपो तक पहुंचाते हैं।

पीएम मोदी की अमेरिका यात्रा - द्विपक्षीय रिश्तों में नए युग की शुरुआत

दुनिया की ताकत बनेगी भारत-अमेरिका की दोस्ती

ब्यूरो संवाददाता

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के बुलावे पर तीन दिन की अमेरिका यात्रा पर रहे। वैसे तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कई बार अमेरिका का दौरा कर चुके हैं, लेकिन इस बार उनकी यात्रा कई मायनों में खासी महत्वपूर्ण है। उनकी यात्रा को स्टेट विजिट का दर्जा प्रदान किया गया है। यह सम्मान अब तक सिर्फ दो ही भारतीय प्रधानमंत्रियों को मिल सका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अमेरिका की संसद को संबोधित करने का कार्यक्रम और स्वयं राष्ट्रपति जो बाइडन का उनकी मेजबानी करना काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इस यात्रा के मूल में जहां दोनों देशों के बीच होने वाले बड़े रक्षा व अन्य समझौते हैं, वहीं हिंद-प्रशांत क्षेत्र समेत दुनिया के तमाम देशों में चीन की बढ़ती आक्रामकता पर नकेल लगाना भी है। इसी वजह से यह यात्रा खास हो जाती है। कुल मिलाकर दोनों देशों के मध्य द्विपक्षीय रिश्तों में एक नये युग की शुरुआत हो रही है। जानकारों का मानना है कि प्रधानमंत्री की इस यात्रा से दोनों देशों के संबंधों को नई ऊंचाइयां मिलेंगी। आर्थिक मामलों के जानकारों का मानना है कि खस्ता हाल दौर से गुजर रही अमेरिकी अर्थव्यवस्था को भारत से बड़े आर्थिक समझौतों से प्राणवायु मिलेगी।

अमेरिकी दौरे के पहले दिन 21 जून को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने न्यूयार्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम की शुरूआत भी की थी। दूसरे दिन व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति जो बाइडन से मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच रक्षा, अंतरिक्ष, स्वच्छ ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में बढ़ते भारत-अमेरिका रणनीतिक संबंधों को और बढ़ावा देने समेत अन्य मुद्दों पर द्विपक्षीय बातचीत भी हुई। इससे पहले पीएम मोदी का व्हाइट हाउस में राजकीय सम्मान के साथ स्वागत किया गया। यहां राष्ट्रपति जो बाइडेन ने प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत करते हुए कहा कि अमेरिका और भारत के बीच संबंध 21वीं सदी में सबसे निर्णायक रिश्तों में से एक है।

व्हाइट हाउस में मिनी भारत की झलक

मोदी की अमेरिका यात्रा के दूसरे दिन व्हाइट हाउस में मिनी भारत की झलक देखने को मिली। पीएम मोदी के स्वागत के लिए व्हाउट हाउस में हिन्दी गाने बजते नजर आए। साथ ही बड़ी संख्या में यहां भारतीय मूल के लोगों को भी बुलाया गया था, जिनके हाथों में तिरंगा नजर आया। साउथ लॉन में एकत्र हुए भारतीय-अमेरिकियों ने यूएसए-यूएसए, 'भारत माता की जय' और 'मोदी- मोदी' के नारे लगाए। यही कारण है कि पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि यह पहली बार है, जब व्हाइट हाउस के दरवाजे इतने भारतीयों के लिए खुले हैं। पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कहा- मैं सबसे पहले राष्ट्रपति बाइडेन के मित्रतापूर्ण स्वागत और उनके संबोधन के लिए उनका हृदय से आभार व्यक्त करता हूं।

कानून के तहत समानता, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, धार्मिक बहुलवाद, हमारे लोगों की विविधता यह मूल्य सिद्धांत दृढ़ हैं और विकसित हुए हैं। आज व्हाइट हाउस में शानदार स्वागत समारोह से एक प्रकार से भारत के 140 करोड़ देशवासियों का सम्मान और गौरव है। ये सम्मान अमेरिका में रहने वाले 4 मिलियन से अधिक भारतीय लोगों का भी सम्मान है। भारतीय समुदाय के लोग अपने टैलेंट से अमेरिका में भारत की शान बढ़ा रहे हैं। आप सब हमारे संबंधों की असली ताकत हैं। पोस्ट कोविड काल में विश्व व्यवस्था एक नया आकार ले रहा है। इस कालखंड में भारत और अमेरिका की दोस्ती पूरी दुनिया की ताकत को बढ़ाने में अहम भूमिका निभाएगी। दोनों देश वैश्विक शांति, स्थिरता और समृद्धता के लिए मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन का कहना रहा कि दुनिया में जिस तरह की परिस्थितियां बन रही हैं ऐसे में यह जरूरी है कि भारत और यूएस मिलकर काम करें।

रूस-यूक्रेन युद्ध पर चिंता, पाकिस्तान को घेरा

अमेरिका यात्रा के तीसरे दिन पीएम मोदी ने यूक्रेन संकट पर चिंता जताई। साथ-साथ चीन और पाकिस्तान का नाम लिए बिना दोनों देशों पर निशाना साधा। यूक्रेन-रूस युद्ध पर चिंता जताते हुए उन्होंने कहा कि युद्ध से लोगों को पीड़ा पहुंचती है। दो देशों के युद्ध की वजह से विकासशील देश भी प्रभावित हुए हैं। युद्ध के कारण वैश्वीकरण को भी नुकसान पहुंचा है। चीन और पाकिस्तान के बारे में उन्होंने कहा कि टकराव के काले बादल हिन्द प्रशांत क्षेत्र पर भी असर डाल रहे हैं। क्षेत्र में स्थिरता हमारी साझा चिन्ता है। हम मिलकर खुशहाली चाहते हैं। 9/11 हमले और मुंबई में 26/11 हमले के बाद अब भी कट्टरवाद और आतंकवाद पूरी दुनिया के लिए एक गंभीर खतरा है। आतंकवाद इंसानियत का दुश्मन है। मोदी की अमेरिका यात्रा के दौरान भारत और अमेरिका के बीच कई बड़े समझौते किए गए। इसके तहत गुजरात में सेमीकंडक्टर प्लांट लगाने पर सहमति बनी। रेलवे में क्लीन एनर्जी और कार्बन फुटप्रिंट्स कम करने के लिए अहम करार किया गया। खास समझौतों में से एक अर्टेमिस एकॉर्डस भी है, जो समान विचारधारा वाले देशों को अंतरिक्ष खोज के मुद्दे पर साथ लाता है। जीई एयरोस्पेस कंपनी के इंजन मैन्युफैक्चरिंग प्लांट भारत में लगाने पर करार हुआ। दो नए अमेरिकी दूतावास खोले जाने सहित अन्य समझौते भी हुए।

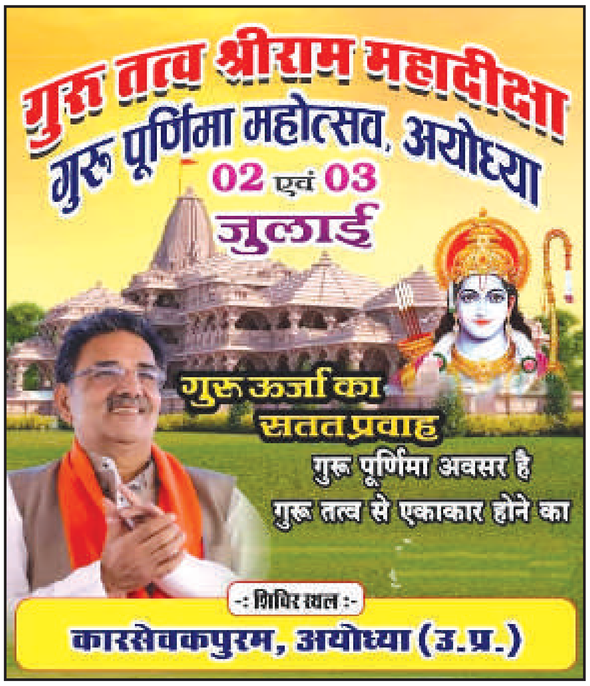

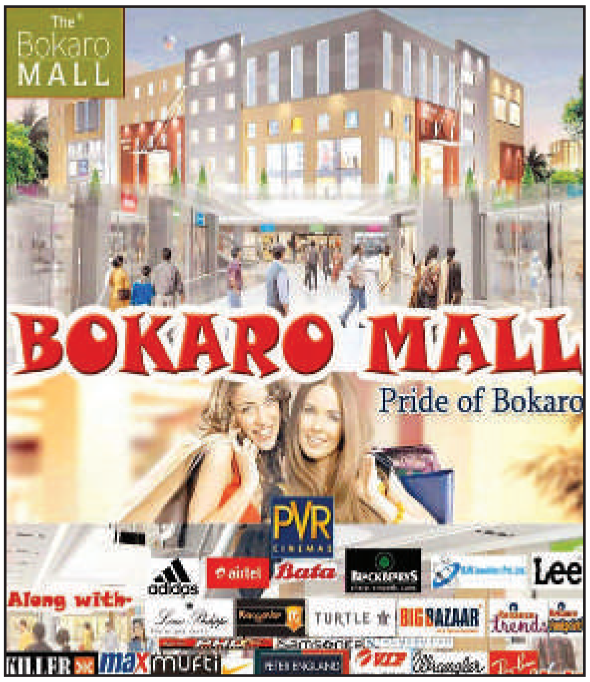

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वत्वाधिकारी विजय कुमार झा द्वारा डीबी कॉर्प लिमिटेड, भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविन्दपुर रोड, जीके आश्रम, धनबाद से मुद्रित एवं सेक्टर-3बी/94, बोकारो स्टील सिटी (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक : विजय कुमार झा***
प्रबंध संपादक : **कंचन झा**, दिल्ली ब्यूरो : **श्रवण कुमार झा,** फोन/फैक्स : (06542) 246899, E-mail : mithilavarnan@gmail.com, आरएनआई. पंजीयन संख्या : 48973/89 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिये जिम्मेवार)